# पलक निहारूं छवि तेरी | By Shyam Salona

मेरे श्याम बाबा सुनलो एक अरज़ ये मेरी
छोड़ के जाऊं जब मैं दुनिया सांवरे पालक निहारु छवि तेरी

अंतिम सांस हो जब सांवरिया मुख से श्याम ही निकले
बुझ जाए दीपक जब जीवन का चरणों में तन पिघले
मेरे पाप मिटा दो सारी बंदिशें हटा दो
बाबा तेरा धाम पाऊं मेरी ज़िन्दगी घटा दो
काट दो कन्हैया मेरी जनम जनम की फेरी
छोड़ के जाऊं जब मैं दुनिया सांवरे पालक निहारु छवि तेरी

भूले ना ये दुनिया तुझको तेरा दास कहाऊं
टूटे दम जब चरण कमल को तकिया श्याम बनाऊं
फिर नींद ना आये, कोई रोग ना सताये
मैं ना तड़पुं कन्हैया जो तू गोद में उठाये
मीठी मीठी बाजे फिर श्याम मुरलिया तेरी
छोड़ के जाऊं जब मैं दुनिया सांवरे पालक निहारु छवि तेरी

जब तक चलती साँसे दुनिया झूठी प्रीत दिखाए
तन से मन का साथ जो टूटे अपने करीब ना आये
जब हो अपने पराये मेरी आँख भर आये
बाबा दर्द जहाँ मिलता ऐसे प्रेम क्यूँ बनाये
सोनी को देना बाबा चरणों की सेवा तेरी
छोड़ के जाऊं जब मैं दुनिया सांवरे पालक निहारु छवि तेरी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a4%b2%e0%a4%95-%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%82%e0%a4%82-%e0%a4%9b%e0%a4%b5%e0%a4%bf-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-shyam-salona/